ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -६

हिन्दी (LOWER)

पाठ -6

मदर टेरेसा

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

6 मदर टेरेसा

चिंतन-मनन

कहते हैं दुनिया में अपने लिए तो सब जीते हैं, लेकिन जो दूसरों के लिए कार्य करता है, वही म
कहलाता है। ऐसे व्यक्तियों का जीवन प्रेरणादायक होता है। ऐसी ही महान आत्मा थीं मदर टेरेसा। इ
बचपन का नाम 'अगनेस गोंझा बोयाजिजू' था। मदर टेरेसा दया, प्रेम, त्याग और निस्वार्थ भाव की प्रति
थीं। इन्होंने अपना संपूर्ण जीवन दीन-दरिद्र, बीमार, लाचार और असहाय लोगों की सेवा में न्योछावर
दिया।

मदर टेरेसा ममता और सेवा की साक्षात् मूर्ति थीं। इनका जन्म 27 अगस्त, 1910 को स्कोप्जे (सर्बिया नगर), दक्षिण यूगोस्लाविया में हुआ था। इनके पिता का नाम निकोला तथा माता का नाम ड्रानाफिल था। शिक्षा प्राप्त करने के बाद 18 वर्ष की आयु में इन्होंने आइरिश धर्म परिवार लॉरेंटो में शामिल होने का निश्चय किया और अपना जीवन दीन-हीन और अनाथों की सेवा में समर्पित कर दिया।

सन् 1928 में ये दार्जिलिंग के लॉरेंटो कॉन्वेंट में अध्यापिका बनकर भारत आ गईं। देश के लाखों दीन-दुखियों की कराह ने इनके हृदय को प्रभावित कर दिया। जनवरी 1929 में इन्होंने कोलकाता के

सेंट मेरी हाई स्कूल में अध्यापन कार्य शुरू किया और बाद में इसी स्कूल में प्रधानाध्यापिका नियुक्त हो गईं।

सन् 1946 में वार्षिक अवकाश होने पर जब वे दार्जिलिंग गईं, तो इन्होंने मानव सेवा करने का संकल्प लिया। यहीं से इनके जीवन में परिवर्तन आ गया। इन्होंने पटना में नर्सिंग की ट्रेनिंग ली और तभी से अपना जीवन दुखियों, दरिद्रों, अपाहिजों, कोढ़ियों आदि की सेवा में समर्पित कर दिया। ये माँ बनकर अपनी ममता हर प्राणी में बाँटने लगीं। ये 'मदर टेरेसा' के नाम से संसार में मशहूर हुईं।

इन्होंने कोलकाता में अनेक शिक्षा केंद्र, कुष्ठ रोग चिकित्सा केंद्र, भोजनालय आदि की स्थापना की। प्रातः सात बजे ये घर से निकलकर झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले गरीबों तक पहुँचतीं और उनकी जरूरतें पूरी करतीं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थ-

ममता- दुलार
साक्षात्-प्रतक्ष
अनाथों- बेसहारा
समर्पित- सौंपा हुआ
दीन- दुखियों- गरीब- परेशान
अध्यापन- पढ़ना
नियुक्त- नौकरी पर रखना
संकल्प- निश्चय
नर्सिंग - देखभाल
ट्रेनिंग- प्रशिक्षण
दरिद्रों- गरीब
अपाहिजों- अपंग
कुष्ठ- चर्मरोग

अर्थ बोध-

मदर टेरेसा प्रेम, सेवा और करुणा की मूर्ति थी। दक्षिण यूगोस्लाविया में हुआ था। उन्होंने १८ वर्ष की आयु में ही ठान लिया कि दीन- हीन और अनाथों की सेवा में अपना जीवन समर्पित करेंगे। सन् १९२८ में धन बनकर दार्जिलिंग आये। कोलकाता के सेंट मेरी में अध्यापन कार्य किया और दीन दुखियों की सेवा में अपने को नियोजित करने का निर्णय लिया।पाटना में नर्सिंग की ट्रेनिंग लिए। दुखियों की मां बनकर उनका सेवा किया कोलकाता में अनेक शिक्षा केन्द्र, चिकित्सालय, भोजनालय आदि की स्थापना किए और गरीबों तक पहुंच कर उनके ज़रूरतों को पूरी करतीं थीं।

संबंधित प्रश्न-

१. मदर टेरेसा का जन्म कब और कहां हुआ था?
२. मदर टेरेसा कब और क्यों भारत आईं?
३.१९२९ में मदर टेरेसा कहां अध्यापन कार्य शुरू किया?
४. दार्जिलिंग कब गई मदर टेरेसा?
५. नर्सिंग ट्रेनिंग उन्होंने कहां लिए?
६. कोलकाता में मदर टेरेसा ने क्या क्या स्थापना किए?

गृहकार्य- पढ़ाए गए पाठ को पढ़ो।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP